Signature of Invigilators

1. .....

2. .....

Roll No. | | | | | |

(In figures as in Admit Card)

HINDI

Paper III

Roll No. .....

.....

(In words)

D/03/5

Name of Areas/Section (if any) .....

Time Allowed : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Maximum Marks : 200

Instructions for the Candidates

1. Write your Roll number in the space provided on the top of this page.
2. Write name of your Elective/Section if any.
3. Answer to short answer/essay type questions are to be written in the space provided below each question or after the questions in test booklet itself. No additional sheets are to be used.
4. Read instructions given inside carefully.
5. Last page is attached at the end of the test booklet for rough work.
6. If you write your name or put any special mark on any part of the test booklet which may disclose in any way your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. Use of calculator or any other Electronics Devices are prohibited.
8. There is no negative marking.
9. You should return the test booklet to the invigilator at the end of the examination and should not carry any paper outside the examination hall.

પરીક્ષાર્થીઓ માટે સૂચનાઓ :

૧. આ પૃષ્ઠના ઉપલા ભાગે આપેલી જગ્યામાં તમારી ક્રમાંક સંખ્યા (રોલ નંબર) લખો.

૨. તમે જે વિકલ્પનો ઉત્તર આપો તેનો સ્પષ્ટ નિર્દેશ કરો.

૩. ટૂંક નોંધ કે નિબંધ પ્રકારના પ્રશ્નોના ઉત્તર દરેક પ્રશ્નની નીચે આપેલી જગ્યામાં જ લખો. વધારાના કોઈ કાગળનો ઉપયોગ કરશો નહીં.

૪. અંદર આપેલી સૂચનાઓ ધ્યાનથી વાંચો.

૫. આ ઉત્તરપોથીને અંતે આપેલું પૃષ્ઠ કાચા કામ માટે છે.

૬. આ ઉત્તરપોથીમાં કયાંય પણ તમારી ઓળખ કરાવી દે એવી રીતે તમારું નામ કે કોઈ ચોકકસ નિશાની કરી હશે તો તમે આ પરીક્ષા માટે ગેરલાયક સાબીત થશો.

૭. કેલકયુલેટર અથવા ઈલેકટ્રોનિકસ સાધનો જેવાનો ઉપયોગ કરવો નહીં.

૮. નકારાત્મક ગુણાંક પદ્ધતિ નથી.

૯. પ્રશ્નપત્ર લખાઈ રહે એટલે આ ઉત્તરપોથી તમારા નિરીક્ષકને આપી દેવી. પરીક્ષાખંડની બહાર કોઈ પણ પ્રશ્નપત્ર લઈ જવું નહીં.

FOR OFFICE USE ONLY
Marks Obtained

Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1					
2					
3					
4					
5					
6					
7					
8					
9					
10					
11					
12					
13					
14					

Total Marks Obtained.....

Signature of the co-ordinator.....
(Evaluation)

SEAL

HINDI
हिन्दी
Paper—III
प्रश्न-पत्र—III

नोट :— इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड ('अ' एवं 'ब') हैं । **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

खण्ड 'अ'

नोट :— इस खण्ड में **दस** लघु निबंधात्मक प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न के **16** अंक हैं, जिनके उत्तर लगभग **तीन-सौ** शब्दों में दीजिए ।

1. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी ने किन अंत:सूत्रों के आधार पर निर्गुण और सगुण भक्ति की बुनियादी एकता की बात की है ? इन अंत:सूत्रों का उल्लेख करते हुए प्रश्न का विचारपूर्ण उत्तर दीजिए ।

अथवा

गोस्वामी तुलसीदास की उक्तियों के आधार पर उनकी काव्य-दृष्टि को स्पष्ट कीजिए ।

2. रीतिमुक्त कवियों को रीतिकाल के दूसरे कवियों से अलग करने वाली भेदक विशेषताओं की सोदाहरण चर्चा कीजिए ।

अथवा

घनानन्द की प्रेम-व्यंजना का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।

3. छायावाद की वैचारिक पृष्ठभूमि का उल्लेख करते हुए छायावादी काव्य की अंतर्धाराओं की चर्चा कीजिए ।

अथवा

पंत के प्रकृति-चित्रण का वैशिष्ट्य सोदाहरण निरूपित कीजिए ।

4. छायावादी कविता और प्रगतिशील कविता के पारस्परिक संबंधों पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

नागार्जुन के काव्य में सामाजिक चेतना की सोदाहरण चर्चा कीजिए ।

5. प्रेमचन्द-पूर्व हिन्दी उपन्यास की विविध धाराओं का रचनाकारों और रचनाओं का उल्लेख करते हुए परिचय दीजिए ।

अथवा

आंचलिकता के आलोक में 'मैला आंचल' के वैशिष्ट्य का विवेचन कीजिए ।

6. 'यह कथा ज्योति की है अंधों के माध्यम से'—इस उक्ति के आलोक में 'अंधायुग' के संवेदना-पक्ष को स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

ललित निबन्ध की कसौटी पर हजारीप्रसाद द्विवेदी के निबन्धों की समीक्षा कीजिये ।

7. "औचित्य सिद्धान्त है, सम्प्रदाय नहीं ।" इस कथन को स्पष्ट करते हुए औचित्य सिद्धान्त को सोदाहरण समझाइये ।

अथवा

हिन्दी समीक्षा में आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के योगदान को रेखांकित कीजिए ।

8. क्रोचे के अभिव्यंजनावाद को समझाइए ।

अथवा

'नई समीक्षा' पूर्ववर्त्ती समीक्षा से किन आधारों पर भिन्न है ? नई समीक्षा की मुख्य मान्यताओं का परिचय दीजिए ।

9. संदर्भ सहित निम्नलिखित काव्य-अवतरण की व्याख्या कीजिए :

मधुकर, हम न होंहि वै बेलि ।
जिन भजि तजि तुम फिरत और रंग करत कुसुम-रस केलि ।
बारे तैं बर बारि बढ़ी हैं, अरु पोषी पिय पानि ।
बिनु पिय परस प्रात उठि फूलत, होति सदा हित हानि ।
ये बेली बिरही वृन्दावन, उरझीं स्याम तमाल ।
प्रेम-पुहुप-रस-बास हमारे, बिलसत मधुप गोपाल ।
जोग-समीर धीर नहिं डोलति, रूप-डार दृढ़ लागी ।
सूर-पराग न तजति हिए तैं, श्री गुपाल अनुरागी ॥

अथवा

आ, मुझे भुला,
तू उतर बीन के तारों में
अपने से गा
अपने को गा
अपने खग-कुल को मुखरित कर
अपनी छाया में पले मृगों की चौकड़ियों को ताल बाँध
अपनी छायातप, वृष्टि पवन, पल्लव-कुसुमन की लय पर
अपने जीवन संचय को कर छन्दयुक्त
अपनी प्रज्ञा को वाणी दे !
तू-गा, तू-गा,
तू सन्निधि पा-तू-खो
तू-आ, तू हो-तू गा, तू गा ॥

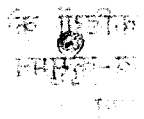

10. संदर्भ सहित निम्नलिखित गद्य-अवतरण की व्याख्या कीजिए :

मैंने अनेक व्यक्ति ऐसे देखे हैं जो कहते हैं और समझते हैं कि किसी विशेष मानसिक प्रतिक्रिया ने उन्हें क्रांतिकारी बना दिया ।..... वे झूठ बोलते हैं । या तो उन्होंने इतनी गहरी आत्मविवेचना ही नहीं की जिससे इस वाह्य कारण के पीछे अपनी सच्ची विद्रोहेच्छा को देखें या फिर उनमें इच्छा है ही नहीं और वे विद्रोही ही नहीं हैं । वे हैं क्रांति के डरौने जिनमें विद्रोह का वाह्य आकार और भावुक क्षमता तो है किन्तु स्थायित्व और सार देने वाली अनिवार्य आग्नेय आंतरिक प्रेरणा नहीं ।

अथवा

तुम्हारे लिए जीने का मतलब रहा है, कितना कुछ एक साथ होकर, कितना कुछ एक साथ पाकर और कितना कुछ एक साथ ओढ़कर जीना । वह उतना कुछ कभी तुम्हें किसी एक जगह न मिल पाता, इसलिए जिस किसी के साथ भी जिन्दगी शुरू करती, तुम हमेशा इतनी ही खाली, इतनी ही बेचैन बनी रहतीं । वह आदमी भी इसी तरह तुम्हें अपने आस-पास सिर पटकता और कपड़े फाड़ता नजर आता ।

खण्ड 'ब'

नोट :— इस खण्ड में केवल एक प्रश्न **40** अंक का है, जिसका उत्तर लगभग **आठ सौ** शब्दों में दीजिए ।

अनुभाग-क

(भक्ति-काव्य)

11. ''पद्मावत' प्रेमाख्यान-मात्र नहीं है, मध्यकालीन इतिहास के त्रासद यथार्थ की गाथा भी है ।'' इस कथन पर अपना विचारपूर्ण अभिमत दीजिए ।

अथवा

अनुभाग-ख

(छायावाद)

12. निराला को शताब्दी का कवि माना गया है । निराला-काव्य के साक्ष्य पर बताइए कि बीसवीं सदी की अधिकांश काव्य-प्रवृत्तियाँ किस प्रकार निराला की कविता में विद्यमान हैं ?

अथवा

अनुभाग-ग

(कथा-साहित्य)

13. 'गोदान' में पुरुष पात्रों की अपेक्षा स्त्री-पात्र अधिक सशक्त और तेजस्वी हैं । 'गोदान' की पात्र-सृष्टि के परिप्रेक्ष्य में इस कथन के औचित्य पर सोदाहरण विचार कीजिए ।

अथवा

अनुभाग-घ

(काव्यशास्त्र और आलोचना)

14. ध्वनि-सिद्धान्त की मुख्य स्थापनाओं की चर्चा कीजिए । क्या ध्वनि-सिद्धान्त का रस-सिद्धान्त में समाहार हो सकता है ? विचारपूर्ण उत्तर दीजिए ।